वित्त वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में 48 शहरों में आवास की कीमतें बढ़ीं: रा.आ.बैंक

- ***सभी 8 प्रमुख महानगरों (यथा अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे) में संपत्ति की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई।***
- ***वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के दौरान 48 शहरों ने सूचकांकों में वृद्धि दर्ज की।***
- ***मूल्यांकन के आधार पर 50 शहरों ने समग्र एचपीआई में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 6.8% की वृद्धि दर्ज की।***
- ***निर्माणाधीन और निवास करने योग्य बिना बिकी सम्पत्तियों के लिये उद्धृत कीमतों में वर्ष-दर-वर्ष सुधार दर्ज किया गया।***

भारत के आठ प्रमुख प्राथमिक आवासीय बाजारों में जुलाई-सितंबर 2024 की अवधि के दौरान संपत्ति की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। अहमदाबाद (7.9%), बेंगलुरु (11.1%), चेन्नई (9.4%), दिल्ली (0.4%), हैदराबाद (6.7%), कोलकाता (6.1%), मुंबई (4.0%) & पुणे (6.2%) ने राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा प्रकाशित आवास मूल्य सूचकांक के अनुसार वार्षिक आधार पर सूचकांक में वृद्धि दर्ज की।.

बैंकों एवं आवास वित्त कंपनियों (एचपीआई@आकलन मूल्य) से एकत्रित संपत्तियों के आकलन मूल्यों के आधार पर 50 शहरों के एचपीआई ने वित्त वर्ष 2025 की द्वितीय तिमाही के दौरान 6.8% की वार्षिक वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की, जबकि एक वर्ष पूर्व यह 4.9% थी।

एचपीआई@आकलन मूल्य में वार्षिक परिवर्तन वाले शहरों में 30.09% (गुरुग्राम) की वृद्धि से लेकर 0.8% (हावड़ा) की गिरावट, में व्यापक रूप से भिन्न है।

50 शहरों में से, 48 में संपत्ति की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई जबकि 2 शहरों (हावड़ा और तिरुवनंतपुरम) में संपत्ति की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई।

क्रमिक (तिमाही-दर-तिमाही) आधार पर, 50-शहरों के सूचकांक ने में जुलाई-सितंबर 2024 में 1.6% का विस्तार दर्ज किया। सूचकांक सितंबर-21 से तिमाही-दर-तिमाही आधार पर एक बढ़ती प्रवृत्ति प्रदर्शित कर रहा है।

सूचकांक में 50 शहरों में से 45 शहरों में वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें गुरुग्राम में 7.3%, की उच्चतम क्रमिक वृद्धि दर्ज की गई, उसके बाद नवी मुंबई (6.5%), चंडीगढ़ (6.4%) और कोयम्बटूर (5.9%) का स्थान रहा, जबकि हावड़ा में तिमाही के दौरान एचपीआई@मूल्यांकन मूल्य में 3.8% की अनुक्रमिक गिरावट दर्ज की गई।

आपूर्ति पक्ष पर, 50 शहरों के एचपीआई ने निर्माणाधीन और बिना बिकी निवास योग्य तैयार संपत्तियों (एचपीआई@निर्माणाधीन संपत्तियों के लिए बाजार मूल्य) के लिए उद्धृत कीमतों के आधार पर सितंबर 2024 में समाप्त तिमाही में 11.2% की वार्षिक वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) भी दर्ज की गई, जबकि एक वर्ष पूर्व यह 10.7% थी।

क्रमिक (तिमाही-दर-तिमाही) आधार पर, 50 शहरों के सूचकांक में पिछली तिमाही में 2.7% की तुलना में इस तिमाही के दौरान 2.8% की वृद्धि देखी गई।

रा.आ.बैंक तिमाही आधार पर **एचपीआई@आकलन मूल्य** (पीएलआई द्वारा प्रदान किए गए मूल्यांकन मूल्यों के आधार पर) और **निर्माणाधीन सांपतियों के लिए एचपीआई@बाजार मूल्य** (बिल्डरों और डेवलपर्स द्वारा बिना बिकी एवं निर्माणाधीन सम्पत्तियों के मांग मूल्य पर आधारित) नामत: दो सूचकांक तिमाही आधार पर प्रकाशित करता है।